<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>बिशनपुरी (खमरिया) में कृषक प्रशिक्षण एवं पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित</u>

पन्तनगर। 3 फरवरी 2025। विश्वविद्यालय में केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, मेरठ द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना–फ्रिजवाल द्वारा ग्राम बिशनपुरी (कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र–खमरिया) में कृषक प्रशिक्षण एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन डा. शिव प्रसाद, विभागाध्यक्ष पशु प्रसूति एवं पशु चिकित्सा विभाग एवं डा. डी कुमार, विभागाध्यक्ष, पशु प्रजनन द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष द्वारा सभी गोपालकों एवं परियोजना टीम सदस्यों को उत्साहवर्धन के साथ–साथ पशु प्रबन्धन के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का संचालन परियोजना अधिकारी डा. चन्द्र भान सिंह द्वारा करते हुए परियोजना के उद्देश्य एवं इससे पशु पालकों को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डाला गया। डा. शिव प्रसाद, विभागाध्यक्ष पशु प्रसूति एवं पशुचिकित्सा द्वारा गायों एवं बछियों में बॉझपन, समय से मदचक्र में न आना व टीकाकरण के सही समय की जानकारी के साथ–साथ पशुओं में लगने वाले अन्तःपरजीवी, वाह्यपरजीवी, थनैला, खुरपका एवं मुँहपका आदि रोगों से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया गया। डा. ब्रिजेश सिंह, प्राध्यापक पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्ध विभाग द्वारा पशुओं एवं गो–वत्सों की देख–रेख व आवास व्यवस्था सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया। डा. डी कुमार, विभागाध्यक्ष पशु प्रजनन द्वारा प्रशिक्षण के समापन में अध्यक्षीय भाषण के साथ–साथ गो पशुओं में प्रजनन विधियों का महत्व एवं अन्य प्रबन्ध सम्बन्धी बिन्दुओं पर जानकारी देते हुए सभी परियोजना टीम के सभी सदस्यों का मार्ग दर्शन एवं पशुपालकों का उत्सहवर्धन किया गया। पशु स्वास्थ्य शिविर में पशुओं का स्वास्थ्य निरीक्षण एवं उपचार पशु वैज्ञानिक डा. शिव प्रसाद एवं पवनदीप सिंह द्वारा किया गया। शिवर में कुल 18 गोपशु का स्वास्थ्य निरीक्षण कर उपचार दिया गया।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पशु स्वास्थ्य शिविर में पशुपालकों का पंजीकरण एवं सामग्री वितरण श्री शिवांशु तिवारी व धन्यवाद प्रस्ताव डा. चन्द्र भान सिंह द्वारा किया गया। कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 46 पशुपालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

ई. मेल चित्र सं. 1. कार्यक्रम में गोपशु का स्वास्थ्य निरीक्षण करते अधिकारी।

निदेशक संचार